प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 16 दिसम्बर, 2024 :-

दिनांक: 16 दिसंबर 2024:- माननीय राज्यपाल श्री संतोश कुमार गंगवार ने आज राँची स्मार्ट सिटी सभागार में आयोजित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के 150वें वर्ष उत्सव में सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मियों को उनकी निरंतर समर्पण और सेवाओं के लिए बधाई व शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने इनके समर्पण और तकनीकी प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपनी सटीक भविष्यवाणियों और तकनीकी क्षमताओं से न केवल आपदाओं के प्रभाव को कम किया है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन और राष्ट्रीय सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि मौसम विज्ञान विभाग और मौसम विज्ञान केंद्र, राँची के प्रयासों ने राज्य में होने वाली गंभीर प्राकृतिक आपदाओं, जैसे वज्रपात, बाढ़, भारी वर्षा और शीतलहर के प्रभावों को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि मौसम विज्ञान केंद्र के प्रति जनमानस का विश्वास बढ़ा है, क्योंकि इसने पंचायत स्तर तक सटीक मौसम पूर्वानुमान और जानकारी उपलब्ध कराकर आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ किया है। राज्य में समय पर मौसम की चेतावनियाँ दी गईं, जिससे स्थानीय समुदायों और आपदा प्रबंधन दलों को प्रभावी सहायता मिल सकी।

राज्यपाल महोदय ने झारखंड की कृषि अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि मौसम की सटीक जानकारी कृषि क्षेत्र के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि मौसम पूर्वानुमान से किसानों को फसल चयन, सिंचाई प्रबंधन और कीट नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहायता मिलती है। राज्यपाल ने यह भी बताया कि झारखंड को 'कृषि कर्मण पुरस्कार' प्राप्त हुआ है, जो राज्य की कृषि उत्कृष्टता को दर्शाता है और इसका श्रेय राज्य के किसानों के निरंतर प्रयासों को जाता है।

माननीय राज्यपाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में देश में हुए उल्लेखनीय प्रगति के बारे में भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों से तकनीकी क्षमताओं को सशक्त किया गया है, जिसका सीधा लाभ मौसम विज्ञान और आपदा प्रबंधन क्षेत्रों को हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि इन प्रयासों के माध्यम से समय पर मौसम जानकारी प्राप्त कर समाज को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बचाया जा सकता है।

राज्यपाल महोदय ने मौसम विज्ञान केंद्र, राँची के वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मियों के निरंतर समर्पण और प्रयासों की सराहना की, जो निरंतर मौसम पूर्वानुमान प्रसारण में लगे रहते हैं। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि समय पर जानकारी और चेतावनियाँ संबंधित हितधारकों तक पहुँचें, ताकि आपदाओं का प्रभाव कम किया जा सके। राज्यपाल महोदय ने इस क्षेत्र में सभी हितधारकों से सहयोग और समन्वय बनाए रखने की अपील की, ताकि आपदाओं के प्रभाव को कम

किया जा सके और समाज को बेहतर ढंग से आपदा प्रबंधन के लिए तैयार किया जा सके।

---

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज रिम्स, रांची के निदेशक डॉ. राजकुमार ने राज भवन में भेंट की। उक्त अवसर पर निदेशक, रिम्स ने राज्यपाल महोदय से रिम्स को डीम्ड यूनिवर्सिटी में अपग्रेड करने के विषय पर चर्चा की

---

(3) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज AITUC के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विद्यासागर गिरि एवं अन्य प्रतिनिधियों ने राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर श्री गिरि ने बताया कि झारखंड के कई ट्रेड यूनियनों को अविभाजित बिहार सरकार द्वारा रद्द कर दिया गया था, लेकिन पटना उच्च न्यायालय ने इस आदेश को अनुचित बताते हुए निरस्त कर दिया। शिष्टमंडल ने राज्यपाल महोदय से श्रम एवं नियोजन विभाग द्वारा इन ट्रेड यूनियनों को पुनः मान्यता प्रदान करने हेतु पहल करने का आग्रह किया।

---

(4) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज डॉ. दिव्या सिंह (शिशु रोग विशेषज्ञ), रिम्स, राँची ने राज भवन में भेंट की तथा राज्यपाल महोदय को अपनी स्वरचित पुस्तक भेंट की। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने राज्यपाल महोदय को अवगत कराया कि रिम्स द्वारा किए जा रहे नियुक्ति प्रक्रिया में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं किया गया है।

---

(5) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज कर्नल ए. आर. सिन्हा (सेवानिवृत), अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, झारखंड के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर शिष्टमंडल ने राज्यपाल महोदय को आगामी 11-12 जनवरी, 2025 को आयोजित होने वाले पूर्व सैनिक महासम्मेलन में आमंत्रित किया।